सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– 687
06/09/2019

महामहिम राज्यपाल ने आज जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा तथा मगध विश्वविद्यालय, बोधगया की कार्य–प्रगति की समीक्षा की

पटना, 06 सितम्बर 2019

महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री फागू चौहान ने आज राजभवन सभागार में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा तथा मगध विश्वविद्यालय, बोधगया की अकादमिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों तथा प्रगति की गहन समीक्षा की। बैठक में तीनों विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रतिकुलपति, कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक, वित्तीय सलाहकार, इंस्पेक्टर ऑफ कॉलेजेज तथा शिक्षा विभाग एवं राज्यपाल सचिवालय के वरीय अधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

महामहिम राज्यपाल श्री चौहान ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि 'अकादमिक एवं शैक्षणिक कैलेण्डर' का हर हालत में पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आगामी जून, 2020 तक सभी विश्वविद्यालयों में सभी पाठ्यक्रमों के सत्र नियमित रूप से ससमय संचालित होने शुरू हो जाने चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की उपस्थिति यू॰जी॰सी॰ के निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करायी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कार्य–दिवसों में शिक्षकों या शिक्षकेत्तर कर्मियों की अनियमित अनुपस्थिति अक्षम्य होगी तथा बिना सूचना के अनुपस्थित रहनेवाले शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों के विरूद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की जायेगी।

मगध विश्वविद्यालय, बोधगया तथा वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा में 'बायोमैट्रिक उपस्थिति उपकरणों' के क्षतिग्रस्त किये जाने की बात सामने आने पर कुलाधिपति श्री चौहान ने कहा कि इसके लिए दोषी व्यक्तियों के विरूद्ध कठोर अनुशासनिक कार्रवाई की जानी चाहिए एवं आपराधिक मामले दर्ज कराये जाने चाहिए। राज्यपाल ने बैठक के दौरान निदेशित किया कि जो शिक्षक या शिक्षकेत्तर कर्मी समय पर विश्वविद्यालय/महाविद्यालय/कार्यालय नहीं आते, उनके द्वारा उपलब्ध कराये गए अपने आवासीय पते की जाँच करायी जानी चाहिए तथा किसी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर उनके आवासीय भत्ते के भुगतान पर रोक लगाते हुए उनके विरूद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की जानी चाहिए।

राज्यपाल ने बैठक के दौरान निदेशित किया कि बायोमैट्रिक उपस्थिति विधि का समुचित उपयोग होना चाहिए तथा वेतन भुगतान के क्रम में इसके जरिये प्राप्त प्रतिवेदन को आधार बनाया जाना चाहिए।

बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों की 'नैक मान्यता' हेतु तत्परतापूर्वक प्रयास किए जाने की जरूरत पर जोर दिया।

आगे पृष्ठ...2 पर

राज्यपाल ने बैठक में कुलपतियों को संबोधित करते हुए कहा कि न्यायालय में लंबित वादों के निष्पादन हेतु समुचित प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कि न्यायिक आदेशों के अनुपालन में भी पूरी तत्परता बरती जानी चाहिए; ताकि अवमानना वादों का सामना करने की नौबत ही नहीं आए।

राज्यपाल ने कहा कि 'नेशनल एकेडमिक डिपोजिटरी' (NAD) तथा 'नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी' (NDL) की व्यवस्था को विश्वविद्यालयों में तत्परतापूर्वक कार्यान्वित करने पर ध्यान दिया जाना चाहिए ताकि अत्याधुनिक ढंग से शिक्षण–व्यवस्था का विद्यार्थी समुचित लाभ उठा सकें। राज्यपाल ने बैठक में निदेशित किया कि राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के अंगीभूत कॉलेजों में तत्काल एक–एक 'स्मार्ट क्लासेज' यथाशीघ्र प्रारंभ कराये जाने चाहिए।

राज्यपाल ने जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा तथा मगध विश्वविद्यालय, बोधगया की बारी–बारी से हुई समीक्षा के दौरान तीनों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को मौजूदा शैक्षणिक–सत्र हेतु नामांकन पूरा हो जाने के बाद यथाशीघ्र छात्रसंघ के भी चुनाव हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का निदेश दिया।

आज सम्पन्न हुई **जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा** की समीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ हरिकेश सिंह द्वारा अपने 'पावर प्रेजेन्टेशन' के माध्यम से यह बताया गया कि आगामी जून, 2020 से उनके विश्वविद्यालय का शैक्षणिक सत्र नियमित रूप से ससमय संचालित होने लगेगा। उन्होंने बताया कि तबतक पूर्वलंबित सभी परीक्षाओं के परिणाम भी घोषित हो जाएँगे। प्रो॰ सिंह द्वारा जानकारी दी गई कि जय प्रकाश विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कुल 21 अंगीभूत महाविद्यालयों में से 6 को 'नैक' की मान्यता मिल चुकी है, 6 ने आई॰आई॰क्यू॰ए॰ एवं एस॰एस॰आर॰ दोनों दाखिल कर दिया है तथा शेष 9 ने भी आई॰आई॰क्यू॰ए॰ दाखिल करने के बाद एस॰एस॰आर॰ दाखिल करने की कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की प्रस्तावित कुल 8 परियोजनाओं में से 6 को स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। कुलपति ने जानकारी दी कि विश्वविद्यालय परिसर तथा विभिन्न महाविद्यालयों को मिलाकर इस वर्ष 4650 से भी अधिक वृक्षारोपण कराये गए हैं। महामहिम राज्यपाल ने नये लगाये गए वृक्षों की सुरक्षा एवं उनके समुचित रख–रखाव का निदेश कुलपति को समीक्षा के दौरान दिया। कुलपति ने बताया कि 'बी॰एड॰पोस्ट' एवं 'एच॰एड॰ पोस्ट' के लिए फोटो अपलोडिंग का काम उनके यहाँ संतोषजनक है तथा इसमें लापरवाही बरतने वाले महाविद्यालयों के विरूद्ध कार्रवाई हो रही है। ऑन–लाईन डिग्री–वितरण की समीक्षा के क्रम में प्राप्त कुल 3796 अभ्यावेदनों में से सिर्फ 348 के ही तैयार हो पाने पर चिंता व्यक्त की गई एवं प्राप्त अभ्यावेदनों पर त्वरित कार्रवाई के निदेश दिये गये। विश्वविद्यालय को खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में प्राप्त उपलब्धियों पर समीक्षा के दौरान संतोष व्यक्त किया गया तथा 'एकलव्य' एवं 'तरंग' प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता हेतु और बेहतर ढंग से तैयारी के निदेश दिये गये। लंबित पेंशनादि तथा सेवांत–लाभ के मामलों के त्वरित निष्पादन हेतु भी कुलपति को कहा गया। कुलपति ने बताया कि 17 विषयों में 339 अतिथि प्राध्यापकों (Guest Teachers) की नियुक्तियाँ प्रावधानों के अनुरूप की गई हैं। उन्होंने शिक्षा विभाग से इन शिक्षकों के वेतन–भुगतान हेतु शीघ्र आबंटन संचारित करने का अनुरोध किया। कुलपति द्वारा बताया गया कि छात्रों के शिकायती कुल 2786 अभ्यावेदनों में से 2363 तथा शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों के कुल 23 अभ्यावेदनों में से 19 को निस्तारित किया जा चुका है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा कुल 155 गाँवों को गोद लेते हुए उन्हें एन॰एस॰एस॰ एवं अन्य विद्यार्थियों के माध्यम से 'मॉडल गाँव' के रूप में विकसित किए जाने की कार्रवाई की जा रही है। कुलपति ने राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के 150वें जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में 'स्वच्छता अभियान' तथा 'वन टाइम प्लास्टिक अभियान' संचालित कराने की भी जानकारी दी।

आगे पृष्ठ...3 पर

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा की प्रगति की जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ देवी प्रसाद तिवारी ने बताया कि इस विश्वविद्यालय में भी शैक्षणिक–सत्र जून, 2020 से नियमित रूप से संचालित होने लगेंगे। बैठक में कुलपति ने 'बायोमैट्रिक उपकरणों' के सही उपयोग नहीं हो पाने की जानकारी दी, इसपर उन्हें समुचित कार्रवाई के निदेश महामहिम राज्यपाल द्वारा दिये गये। कुलपति ने बताया कि वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा के अधीन 18 अंगीभूत महाविद्यालयों में से 10 को 'नैक' की मान्यता मिल चुकी है तथा 8 महाविद्यालयों ने भी 'आई॰आई॰क्यू॰ए॰' एवं 'एस॰एस॰आर॰' दाखिल कर दिया है। कुलपति को विश्वविद्यालय में शीघ्र गेस्ट फेकेल्टी की नियुक्तियाँ करने का निदेश दिया गया ताकि अध्यापन कार्य बाधित नहीं हो। कुलपति ने बताया कि वृक्षारोपण तथा 'गाँव गोद लेने' के कार्यक्रमों में भी उनके यहाँ प्रगति संतोषजनक है। उन्होंने बताया कि बी॰पी॰एस॰सी॰ द्वारा नवनियुक्त शिक्षकों की कॉलेजों/विभागों में पदस्थापना उनके द्वारा की जा चुकी है। कुलपति को 'सी॰एफ॰एम॰एस॰' पर सभी कर्मियों के डाटा शीघ्र अपलोड करने तथा छात्राओं के शिक्षण–शुल्क से संबंधित आबंटन–अधियाचना शीघ्र शिक्षा विभाग को भेज देने को कहा गया।

मगध विश्वविद्यालय, बोधगया की समीक्षा के क्रम में वहाँ के प्रभारी कुलपति प्रो॰ देवी प्रसाद तिवारी ने बताया कि कुल 19 अंगीभूत कॉलेजों में से 8 को 'नैक प्रत्ययन' प्राप्त हो चुका है तथा 9 ने आई॰आई॰क्यू॰ए॰ एवं एस॰एस॰आर॰ भी दाखिल कर दिया है। उन्होंने विश्वविद्यालय के अधीन 4 शोध परियोजनाओं के अनुमोदन की भी जानकारी दी। उन्होंने ऑन–लाईन डिग्री के लिए प्राप्त कुल 3338 अभ्यावेदनों में से 551 प्रमाण–पत्रों के वितरण की जानकारी दी। कुलपति को यथाशीघ्र शेष डिग्री–प्रमाण–पत्र वितरित करने हेतु निदेश प्रदान किए गये। उन्होंने बताया कि सभी 19 अंगीभूत कॉलेजों ने एक–एक 'गाँवों को गोद' लेकर उन्हें विकसित करने का संकल्प लिया है।

बैठक के दौरान राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा ने सुझाव दिया कि 'नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी' में छात्रों के रजिस्ट्रेशन को अपरिहार्य बनाते हुए उनके ऑनलाईन–फॉर्म भरने के क्रम में ही यह प्रावधानित कर दिया जाना चाहिए, इससे संबद्धन के बाद ही सॉफ्टवेयर में वे आगे के चरणों में प्रविष्ट हो सकें। प्रधान सचिव ने 'गोद लिए गये गाँवों' में विश्वविद्यालयीय छात्रों की गतिविधियों की वीडियो क्लीपिंग भी राजभवन एवं विश्वविद्यालयों को उपलब्ध कराने की व्यवस्था बनाने का सुझाव दिया। बैठक में 'तरंग' एवं 'एकलव्य' में सर्वोत्कृष्ट घोषित प्रतिभागियों को नामांकन में कुछ अंकों की छूट दिये जाने पर भी विचार हुआ।

बैठक में राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा की सुधार–प्रक्रिया को तेज करने के निदेश सभी संबंधित अधिकारियों को दिये तथा इस दिशा में उनके द्वारा अबतक किये गये प्रयासों की सराहना की।

....